

/b>

Title: Need to take necessary steps to solve drinking water problem in Himachal Pradesh particularly in Shimla Parliamentary constituency.

कर्नल (सेवानिवृत्त) डॉ.धनी राम शांडिल्य (शिमला) : उपाध्यक्ष महोदय, जल एक मूल आवश्यकता है। हमारे देश में हिमाचल प्रदेश और विशेषकर शिमला संसदीय क्षेत्र के पर्वतीय क्षेत्रों में जल स्तर में कमी के कारण एक विकट समस्या सामने आई है। साथ ही जल की खपत अधिक हुई है, जिसके मुख्य कारण जल स्तर में कमी के अलावा बढ़ती जनसंख्या, फलों, फूलों व बेमौसमी सब्जियों की लाभकारी खेती आदि हैं। ग्रामों में केन्द्रीय मद से सुलभ शौचालय उपलब्ध करवाने से भी जल की खपत बढ़ी है। भौगोलिक दृष्टि से इस ऊबड़-खाबड़ क्षेत्र में, जहां ऊंचे पहाड़ हैं वहीं सतलुज जैसी तेज बहने वाली नदी के साथ पब्वर, गिरी, गम्बर, कई छोटी नदियां, सैकड़ों नाले बहते हैं। केन्द्रीय कार्यक्रमों के अनुरूप कई योजनाएं भी चल रही हैं - जैसे राष्ट्रीय वाटर शैड तथा स्वजल धारा इत्यादि। स्थिति में अधिक सुधार संभव नहीं हो पाया है।

मान्यवर, मेरा अल्पकालीन नहीं, बल्कि स्थायी योजना का सुझाव है कि इस क्षेत्र में बहने वाली नदियों, नालों व स्थायी जल स्रोतों से जल को पम्पों द्वारा ऊंचे पहाड़ों तक पहुंचा कर बड़े टैंकों में एकत्रित किया जाए। वहां से यह जल पीने व सिंचाई के लिए ग्रेविटी द्वारा विभिन्न खंडों में वितरण किया जाए।